



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

27/9

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 366]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 19, 1985/श्रावण 28, 1907

No. 366]

NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 19, 1985/SRAVANA 28, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1985

अधिसूचना

सा. का. नि. 664 (अ) :— केन्द्रीय सरकार, दहेज  
प्रतिषेध अधिनियम, 1961 (1961 का 28) की धारा  
9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित  
नियम बनाती है :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ -- (1) इन नियमों का  
संक्षिप्त नाम दहेज प्रतिषेध (वर- वधू भेंट सूची) नियम,  
1985 है।

(2) ये 2 अक्टूबर 1985 को प्रवृत्त होंगे जो वह  
तारीख है जो दहेज प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 1984  
(1984 का 63) के प्रवृत्त होने के लिये तय की गई है।

2. नियम जिनके अनुसार भेंटों की सूचियां रखी जानी  
हैं :-

(1) विवाह के समय जो भेंटें वधू को दी जाती हैं उनकी  
एक सूची वधू रखेगी ;

(2) विवाह के समय जो भेंटें वर को दी जाती हैं  
उनकी एक सूची वर रखेगा ;

(3) उप-नियम (1) या उप-नियम (2) में  
निर्दिष्ट भेंटों की प्रत्येक सूची, -

(क) विवाह के समय या विवाह के पश्चात् यथासम्भव  
शोध तैयार की जाएगी ;

(ख) लिखित में होगी ;

(ग) उसमें होगा --

(i) प्रत्येक भेंट का संक्षिप्त विवरण ;

(ii) भेंट का अनुमानित मूल्य ;

- (iii) उस व्यक्ति का नाम जिसने भेंट दी है; और  
 (iv) यदि वह व्यक्ति जिसने भेंट दी है वधू या वर का नातेदार है तो ऐसी नातेदारी का विवरण;  
 (व) वर और वधू दोनों द्वारा हस्ताक्षरित होगी।

स्पष्टीकरण—1 जहाँ वधू हस्ताक्षर करने में असमर्थ है वहाँ वह, हस्ताक्षर के स्थान पर, सूची पढ़कर सुन लेने के पश्चात् और सूची पर उस व्यक्ति के हस्ताक्षर अभिप्राप्त करने के पश्चात् जिसने सूची में अंतर्विष्ट विशिष्टियों को इस प्रकार पढ़कर सुनाया है, उस पर अपने अंगूठे का निशान लगा सकेगी।

स्पष्टीकरण—2 जहाँ वर हस्ताक्षर करने में असमर्थ है वहाँ वह, हस्ताक्षर के स्थान पर, सूची पढ़कर सुन लेने के पश्चात् और सूची पर उस व्यक्ति के हस्ताक्षर अभिप्राप्त करने के पश्चात् जिसने सूची में अंतर्विष्ट विशिष्टियों को इस प्रकार पढ़कर सुनाया है, उस पर अपने अंगूठे का निशान लगा सकेगा।

- (4) वर या वधू, यदि, चाहें तो उपनियम (1) या उपनियम (2) में निर्दिष्ट अनुसूचियों में से किसी पर या दोनों पर अपने किसी नातेदार या किन्हीं नातेदारों या विवाह के समय उपस्थित किसी अन्य व्यक्ति या किन्हीं अन्य व्यक्तियों के हस्ताक्षर अभिप्राप्त कर सकते हैं।

[फा. सं. 11/9/84-विधायी-III]

वी. एस. रामा देवी, अपर सचिव

## MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

New Delhi, the 19th August, 1985

### NOTIFICATION

G.S.R. 664(E).—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Dowry Prohibition Act, 1961 (28 of 1961), the Central Government hereby make the following rules, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Dowry Prohibition (Maintenance of lists of Presents to the Bride and Bridegroom) Rules, 1985.
2. They shall come into force on the 2nd day of October 1985 being the date appointed for the

coming into force of the Dowry Prohibition (Amendment) Act, 1984 (63 of 1984).

2. Rules in accordance with which lists of presents are to be maintained.—(1) The list of presents which are given at the time of the marriage to the bride shall be maintained by the bride.

(2) The list of presents which are given at the time of the marriage to the bridegroom shall be maintained by the bridegroom.

(3) Every list of presents referred to in sub-rule (1) or sub-rule (2),—

(a) shall be prepared at the time of the marriage or as soon as possible after the marriage;

(b) shall be in writing;

(c) shall contain,—

(i) a brief description of each present;

(ii) the approximate value of the present;

(iii) the name of the person who has given the present; and

(iv) where the person giving the present is related to the bride or bridegroom, a description of such relationship;

(d) shall be signed by both the bride and the bridegroom.

Explanation 1.—Where the bride is unable to sign, she may affix her thumb-impression in lieu of her signature after having the list read out to her and obtaining the signature, on the list, of the person who has so read out the particulars contained in the list.

Explanation 2.—Where the bridegroom is unable to sign, he may affix his thumb-impression in lieu of his signature after having the list read out to him and obtaining the signature on the list, of the person who has so read out the particulars contained in the list.

(4) The bride or the bridegroom may, if she or he so desires, obtain on either or both of the lists referred to in sub-rule (1) or sub-rule (2) the signature or signatures of any relations of the bride or the bridegroom or of any other person or persons present at the time of the marriage.

[F. No. 11/9/84-Leg. III]  
 V. S. RAMA DEVI, Addl. Secy.